आवश्यक तिथियां -

पंजीयन एवं शोध सार (Registration and Abstract Submission) - 4 फरवरी, 2024

पंजीयन हेतु गूगल लिंक-
https://forms.gle/8Ro5dLUK32i29rBq7
(पंजीयन केवल गूगल लिंक के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेगें)

स्वीकृत सूचना (Acceptance Notification) - 5 फरवरी, 2024

शोध पत्र जमा करना (Full Paper Submission) - 10 फरवरी, 2024

नोट - कृपया Abstract एवं Full paper आयोजक सचिव के ई-मेल mishravk1974@gmail.com पर भेजे।

पंजीयन शुल्क-

फैकल्टी	- 1,000रू
शोध छात्र	- 500रू
पब्लिक सेक्टर/कार्पोरेट/एन.जी.ओ.	- 2,000रू

पंजीयन शुल्क हेतु खाता विवरण

नाम- Kulsachiv Atal Bihari Vajpayee Hindi Vishwavidyalya
खाता क्रमांक - 13430100012347
आईएफएससी- BARBOSUKHIS (पाँचवा अंक्षर शून्य है)

यात्रा एवं आवास सहायता

प्रतिभागियों को यात्रा की व्यवस्था स्वयं करनी है। भोपाल के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के लिये आवास व्यवस्था होस्टल/अतिथि भवन में उनके लिखित अनुरोध पर की जायेगी। इस हेतु प्रतिभागियों को दिनांक 05 फरवरी, 2024, तक ई-मेल के माध्यम से आयोजक सचिव को अनुरोध पत्र भेजना अनिवार्य है। आवास की व्यवस्था दो प्रतिभागियों को एक साथ की जायेगी। लग्जरी आवास की सुविधा स्वयं के व्यय पर तथा पूर्व सूचना (दिनांक 05.02.2024 तक) देने पर ही उपलब्ध करायी जा सकेगी।

संपर्क सूत्र -

- डॉ. विजय कुमार मिश्र, आयोजक सचिव, मो.- 6264779301, 9425357882
- डॉ. अमित सोनी, मो.- 9893448577, 8770888910
- डॉ. झामलाल रसिया, मो.- 8839490801, 9425850307
- डॉ. आशीष नकाशे, मो.- 9826524486

सेमिनार आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक
प्रो. खेमसिंह डहेरिया
कुलपति
अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल

आयोजक सचिव
डॉ. विजय कुमार मिश्र
विभागाध्यक्ष, भौतिकी
अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल

संचालन समिति (Steering Committee)

- प्रो. राजीव वर्मा, अधिष्ठाता, अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल
- श्री शैलेन्द्र कुमार जैन, कुलसचिव, अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल
- सुश्री ऊषा सख्यान, वित्त अधिकारी, अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल
- डॉ. विजय कुमार मिश्र, आयोजन सचिव, अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल
- डॉ. चित्रलेखा सोनी (कड़ेल), अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल

राष्ट्रीय सलाहकार समिति (National Advisory Committee)

- प्रो. अनिल कोठारी, महानिदेशक, एम.पी.सी.एस.टी., भोपाल
- प्रो. भरत मिश्र, कुलपति, एम.जी.सी.जी.वि.वि., चित्रकूट
- प्रो. हरिओम वत्स, निदेशक, एस.ई.आर.एफ., अहमदाबाद, गुजरात
- प्रो. ए.पी. मिश्र, सेवानिवृत्त आचार्य, अ.प्र.सि.वि.वि., रीवा
- प्रो. आलोक पंड्या, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी, इ.गा.रा.ज.वि.वि. अमरकंटक
- प्रो. नवीन शर्मा, आचार्य, इ.गा.रा.ज.वि.वि. अमरकंटक
- प्रो. प्रज्ञेश अग्रवाल, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, (आई.ई.एच.ई) भोपाल
- डॉ. मनोहरलाल, के.एस.के.जी.आर.एल., प्रयागराज, उ.प्र.
- प्रो. अभय सिंह, बी.एच.यू.,वाराणसी
- डॉ. दीपक पालीवाल, संयुक्त निदेशक, पं. सु. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
- प्रो. अनिल तिवारी, सेवानिवृत आचार्य, भौतिकी, रीवा, म.प्र.
- प्रो. मीरा गुप्ता, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी, रायपुर, छ.ग.
- प्रो. आर.के.तिवारी, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी, रीवा, म.प्र.
- प्रो. अच्युत पाण्डेय, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी, रीवा, म.प्र.
- प्रो. पी. एल.वर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी, मैहर, म.प्र.

स्थानीय सलाहकार समिति (Local Advisory Committee)

- प्रो. साधना सिंह, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल।
- प्रो. संजय दीक्षित, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, (आई.ई.एच.ई) भोपाल।
- प्रो. अनुज हुन्डैत, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, (आई.ई.एच.ई) भोपाल।
- प्रो. एस.के. विजय, एम.एल.बी. महाविद्यालय, भोपाल।
- डॉ. चित्रलेखा सोनी (कड़ेल) अ.बि.वा.हि.वि.वि.,भोपाल
- डॉ. अमित जैन, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, (आई.ई.एच.ई) भोपाल।

स्थानीय आयोजन समिति (Local Organizing Committee)

- डॉ. चित्रलेखा सोनी (कड़ेल)
- डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
- डॉ. अमित सोनी
- डॉ. झामलाल रसिया
- डॉ. वंदना ठाकुर
- डॉ. भरत बाथम
- डॉ. नीलम सिंह
- श्री गौरव कुमार गुप्ता
- डॉ. आशीष नकाशे
- डॉ. कुसुम दीक्षित चौहान
- डॉ. भावना खरे
- डॉ. जितेन्द्र भावसार
- डॉ. राजेश कुमार मिश्र
- डॉ. संजय त्रिपाठी
- डॉ. हितेन्द्र राज
- डॉ. अमीन खान
- श्री अंकित गायशिन्दे

राष्ट्रीय सेमिनार

वर्तमान सौर चक्र 25 में अंतरिक्ष मौसम की स्थिति

(Space Weather Conditions during Current Solar Cycle 25)

15-16 फरवरी, 2024

आयोजक

भौतिकी विभाग

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

प्रायोजक

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (MPCST), भोपाल

सहयोगी संस्थान

पं. सुन्दरलाल शर्मा केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल

विश्वविद्यालय के बारे में : अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल में स्थापित एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना मध्यप्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 34 द्वारा वर्ष 2011 मे सभी विषयों की शिक्षा हिंदी भाषा में देने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर की गई है। वर्तमान में विश्वविद्यालय का मुख्यालय, मुगालिया कोट, सूखी सेवनिया, भोपाल (म.प्र.) में स्थित है। इसकी विशेषता इस प्रकार से परिलक्षित होती है कि यह विज्ञान, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, संस्कृत, हिंदी भाषा, अनुवाद, वाणिज्य, संगीत, प्रबंधन, कला, समाज विज्ञान, विधि, शिक्षा एवं आधुनिक दृष्टिकोण के समस्त पाठ्यक्रमों का संचालन, ज्ञान-विज्ञान की समस्त शाखाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं प्रकाशन तथा राष्ट्रीय लोक व्यवहार को हिंदी भाषा में संभव व संपन्न करने के लिए दृढ संकल्पित है।

विश्वविद्यालय एक ऐसी युवा पीढ़ी के निर्माण की ओर अग्रसर है जो समग्र व्यक्तित्व विकास के साथ रोजगार, कौशल व चारित्रिक दृष्टि से श्रेष्ठ हो। विश्वविद्यालय ऐसी शैक्षिक व्यवस्था का सृजन करना चाहता है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा तथा आधुनिक ज्ञान में समन्वय करते हुए छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में ऐसी दृष्टि विकसित कर सके जो भारत केंद्रित होकर संपूर्ण सृष्टि के कल्याण को प्राथमिकता देने में समर्थ हो।

सेमिनार का उद्देश्य एवं क्षेत्र : अंतरिक्ष मौसम, सौरमंडल में ग्रहों के बीच के विभिन्न भौतिक परिस्थितियो को कहा जाता है, जो सूर्य के विकिरणों के साथ-साथ सुदूर तारों से आने वाले विकिरणों से प्रभावित होता है। जहां तक पृथ्वी के पास अंतरिक्ष मौसम की बात है उसे सुदूर अंतरिक्ष के विकिरण एवं सूर्य से आने वाले विकिरण जैसे सौर पवन, चुम्बकीय तरंगे, आवेशित कण और अन्य विकिरण बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं। कई बार तो सूर्य की सौर ज्वाला यहां सौर तूफान तक ला देती है। अंतरग्रहीय चुंबकीय क्षेत्र (**Interplanetary magnetic field**), सौर पवनों का वेग, आयनों का घनत्व, प्लाज्मा का तापमान आदि पैरामीटरों के अध्ययन से अंतरिक्ष मौसम के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इसरो का आदित्य एल-1 अपने सफल प्रक्षेपण के बाद अंतरिक्ष में अपने गंतव्य स्थान पर पहुँच चुका है। 15 लाख किलोमीटर की यात्रा के बाद आदित्य एल-1 इस वर्ष के प्रारंभ में अपना कार्य प्रारंभ कर चुका है। इस अभियान में कुल सात उपकरण भेजे गए हैं जो एक पूरी की पूरी वेधशाला के रूप में मिलकर काम करेंगे। ये सभी उपकरण अलग-अलग तरह का अवलोकन कर सूर्य के वायुमंडल और उसकी प्रक्रियाओं का अध्ययन करेंगे। वैसे तो कई अभियान सूर्य के पास जाकर उसका अध्ययन करते हैं, लेकिन आदित्य एल-1 पृथ्वी के निकट के अंतरिक्षीय मौसम का भी अध्ययन करेगा। इस प्रकार भारत द्वारा आदित्य एल-1 के सफल प्रक्षेपण एवं उसके अपनी कक्षा एल-1 में सफलतापूर्वक स्थापित होने के पश्चात, अंतरिक्ष मौसम के क्षेत्र में शोध को एक नया आयाम प्राप्त होने की संभावना है। इस सेमिनार का प्रमुख उद्देश्य अंतरिक्ष मौसम एवं उसे प्राभावित करने वाले विभिन्न कारको के बारे में गहन विचार विमर्श करते हुये इस क्षेत्र में हुये नवीनतम शोध से समाज को परिचित करना है । साथ ही आदित्य एल-1 से प्राप्त होने वाले डाटा का अध्ययन करते हुए शोध के इस क्षेत्र में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए युवा शोधार्थियों को तैयार करना है। इस विषय में प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का उपयोग वर्तमान की चुनौतियों का सामना करने के लिए किस प्रकार किया जा सकता है, के संबंध में भी सेमिनार में व्यापक विचार विमर्श एवं भविष्य की कार्ययोजना पर बल दिया जाएगा। इस सेमिनार में प्रमुखता से निम्नलिखित क्षेत्र सम्मिलित होंगे।

- अंतरिक्ष मौसम (Space Weather)
- सौर प्लाज्मा अभिक्रियाएं (Solar Plasma Processes)
- हीलियोस्फेयर और कास्मिक किरणे (Helishphere & Cosmic rays)
- सौर-स्थलीय संबंध (Solar-Terrestrial Relationships)
- सौर अभिक्रियायें और अंतरिक्ष वातावरण (Solar Activity and Space Environment)
- भूचुम्बकत्व और चुम्बकीय तूफान (Geomagnetism & Magnetic Storms)
- अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी का वातावरण (Space Weather & Earth Climate)
- अंतरिक्ष तकनीक में पदार्थ विज्ञान का उपयोग (Use of Materials Science in Space Technology)
- प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान (Ancient Indian Astrology)
- विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge System in different fields)

शोध-सार (Abstract) एवं शोध पत्र (Full paper) आमंत्रण

प्रतिभागी उपरोक्त में से किसी विषय/उप विषय पर अपना शोध सार (**Abstract**) अधिकतम दो सौ शब्दों में तथा शोध पत्र आयोजन सचिव के ई-मेल **mishravk1974@gmail.com** पर निर्धारित तिथि के अंदर भेजना सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले शोध सार (**Abstract**)/शोध पत्र (**Full paper**) पर विचार नहीं किया जायेगा। शोध-सार हिंदी भाषा, कृति देव 10 में लाईन स्पेसिंग 1.5 के साथ ही भेजना सुनिश्चित करें।

शोध पत्र प्रस्तुतीकरण

शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण मौखिक (**Oral**) या पोस्टर के रूप में मान्य होगा । प्रत्येक मौखिक प्रस्तुतिकरण के लिए अधिकतम 10 मिनट का समय निर्धारित किया गया है (चर्चा सहित)। पोस्टर के लिये आयोजन समिति द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को 90X60 से.मी. का स्थान उपलब्ध कराया जायेगा।